तेल कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट

डब्लूटीआई और ब्रेंट क्रूड में क्रमश: 10 और 7 प्रतिशत तक की तेजी

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 94 डॉलर पर, ब्रेंट 102 डॉलर

न्यूयॉर्क, 7 मई.अमेरिका और ईरान के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होने की उम्मीद ने तेल बाजार में बड़ी हलचल पैदा कर दी है. एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन और तेहरान एक छोटे समझौते के करीब हैं, जो फरवरी के अंत से जारी टकराव को समाप्त कर सकता है.

इस खबर के तुरंत बाद, तेल की कीमतों में बुधवार को एक समय करीब 10 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली. अमेरिका का बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट शुरुआती कारोबार में लगभग 10 प्रतिशत गिरकर 94.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. वहीं अंतरराष्ट्रीय ब्रेंट क्रूड करीब 7 प्रतिशत गिरकर 102.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. हालांकि, बाद में दोनों ही इंडेक्स थोड़ा संभलकर क्रमश: डब्ल्यूटीआई लगभग 96 डॉलर और ब्रेंट 103 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड कर रहे थे. निवेशकों और व्यापारियों का कहना है कि यह तेजी खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होने के संकेतों के कारण आई है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को रद्द कर दिया, जो एक नौसैनिक अभियान था और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था.

> एक्सियोस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले 48 घंटों में समझौते में बड़ी प्रगति हो सकती है. इस उम्मीद ने तेल बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति पैदा कर दी है. निवेशक अब कम तनाव के वातावरण में तेल की आपूर्ति और खाड़ी सुरक्षा के विषय पर ध्यान दे रहे हैं. इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि खाड़ी तनाव और जियो-पॉलिटिकल घटनाएँ सीधे वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करती हैं. समझौते के सकारात्मक संकेतों ने निवेशकों को राहत दी है, लेकिन बाजार में अस्थिरता बनी हुई है. डब्लूटीआई और ब्रेंट क्रूड दोनों ही इंडेक्स अभी भी वैश्विक तेल आपूर्ति और सुरक्षा की परिस्थितियों पर नजर रख रहे हैं.

पेटीएम का शेयर 1 महीने में 15 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई, 7 मई.पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 में पहली बार पूरे साल मुनाफा कमाया है. कंपनी का सालाना प्रॉफिट 552 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष 663 करोड़ रुपये के घाटे से एक बड़ा बदलाव है. इस सकारात्मक वित्तीय प्रदर्शन के बाद पेटीएम के शेयर गुरुवार को बीएसई में 6 प्रतिशत से अधिक उछलकर 1,186.25 रुपये पर पहुंच गए. कंपनी लगातार चौथी तिमाही में मुनाफे में रही. मार्च 2026 तिमाही में 184 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज हुआ, जबकि एक साल पहले समान अवधि में 540 करोड़ का नुकसान हुआ था. ऑपरेशंस से रेवेन्यू 18 प्रतिशत बढ़कर 2,264 करोड़ रुपये हुआ और पॉजिटिव होकर 132 करोड़ रुपये रहा.

सोना-चांदी के दामों में आई तेजी

345 रुपए महंगा हुआ सोना

2,318 रुपए महंगी हुई चांदी

मुंबई, 7 मई. सोना-चांदी के बाजार में आज तेजी देखने को मिली है. आइबीजेए के अनुसार 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,51,237 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जो पिछले रेट से 377 रुपये ज्यादा है.

22 कैरेट गोल्ड भी 345 रुपये की बढ़त के साथ 1,38,533 रुपये पर कारोबार कर रहा है. 18 कैरेट गोल्ड 113,428 रुपये और 14 कैरेट 88,474 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर हुआ है. जीएसटी सहित ये दाम क्रमश: 24 कैरेट के लिए 1,55,374 रुपये, 22 कैरेट के लिए 1,42,688 रुपये और 18 कैरेट के लिए 1,16,830 रुपये होंगे.चांदी के भाव में भी तेजी रही. आज चांदी 2,318 रुपये प्रति किलो बढ़कर 2,51,385 रुपये हो गई है. आइबीजेए के मुताबिक यह रेट दोपहर सवा 12 बजे के अनुसार है। सोने की कीमतें केवल स्थानीय मांग पर नहीं बल्कि वैश्विक बाजार पर भी निर्भर करती हैं. लंदन और न्यूयॉर्क के अंतरराष्ट्रीय रेट और डॉलर/रुपया का भाव सीधे भारतीय कीमतों को प्रभावित करता है. इसके अलावा वैश्विक आर्थिक स्थिति, ब्याज दर, महंगाई और जियो-पॉलिटिकल टेंशन जैसे ईरान या इज़राइल से जुड़े तनाव भी कीमतों में उतार-चढ़ाव लाते हैं.

> शादियों और त्योहारों के सीजन में मांग बढ़ने से भी कीमतों में उछाल देखने को मिलता है. आइबीजेए के अनुसार 24 कैरेट गोल्ड अब अपने ऑल टाइम हाई 1,76,121 रुपये से लगभग 24,884 रुपये सस्ता रह गया है. इसी तरह चांदी अपने ऑल टाइम हाई से 1,34,545 रुपये कम पर कारोबार कर रही है.निवेशकों और गहनों की खरीदारी करने वालों के लिए यह समय मार्केट ट्रेंड समझने और सही समय पर निवेश करने का संकेत देता है.

एप्पल हरित ऊर्जा में करेगा 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, 07 मई. अमेरिकी की टेक कंपनी एप्पल ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा में 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है. कंपनी ने गुरुवार को बताया कि वह देश की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक क्लीनमैक्स के साथ सहयोग कर रही है. एप्पल का शुरुआती 100 करोड़ रुपये का निवेश 150 मेगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने में मदद करेगा.

इससे हर साल लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली मिल सकेगी. भविष्य में निवेश बढ़ाने की भी संभावना है. एप्पल ने इससे पहले भी एप्पल ने क्लीनमैक्स के साथ मिलकर रूफटॉप सौर परियोजनाओं पर काम किया था, ताकि देश में एप्पल के कार्यालयों और रिटेल स्टोर को शत-प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित किया जा सके. अमेरिकी कंपनी का लक्ष्य साल 2030 तक अपने पूरे संचालन को कार्बन निरपेक्ष बनाने का है. एप्पल में पर्यावरण एवं आपूर्ति श्रृंखला नवाचार की उपाध्यक्ष सारा चैंडलर ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता नवाचार की एक प्रेरक शक्ति भी है जो कंपनी के भीतर और दुनिया भर में है. हमें भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ाने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के अपने प्रयासों का विस्तार करने पर गर्व है.

एप्पल इसके अलावा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के साथ मिलकर ऐसे पुनर्चक्रण और कचरा प्रबंधन कार्यक्रमों में समर्थन दे रही है, जो पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं. गोवा में कचरा प्रबंधन क्षेत्र की अग्रणी संस्था साहस जीरो वेस्ट के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, यह मॉडल ऐसी सुविधाएं स्थापित करता है जो पुनचक्रण योग्य सामग्रियों को पूर्ण ट्रेसबिलिटी के साथ एकत्रित करती हैं, उनकी छंटाई करती हैं और उनसे काम लायक चीजों को निकालती हैं.

> एप्पल अब इस मॉडल को कोयंबटूर सहित नये क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन, समुदायों और कचरा श्रमिकों के साथ मिलकर विस्तार दे रही है .एक नयी साझेदारी के तहत एकूमेन के माध्यम से एप्पल शुरुआती चरण के हरित उद्यमों का भी समर्थन कर रही है . इसके तहत छह हरित उद्यमों को अनुदान दिया जायेगा, जो कचरा प्रबंधन, चक्रीय अर्थव्यवस्था एवं उपभोग, और पुनर्योजी कृषि तथा आजीविका जैसे क्षेत्रों में समाधान विकसित कर रहे हैं .

इमामी 321 करोड़ में खरीदेगी इंकनट की 60 फीसदी हिस्सेदारी

कोलकाता, 07 मई. सौंदर्य प्रसाधन और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद बनाने वाली देश की अग्रणी एफएमसीजी कंपनी इमामी ने इंकनट डिजिटल तथा उसकी सहायक एवं संबद्ध कंपनियों में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगी. इमामी ने गुरुवार को बताया कि इसके लिए दोनों कंपनियों ने एक पक्का समझौता किया है. इस अधिग्रहण के लिए 321 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जिसमें 24 महीने के दौरान प्रदर्शन-आधारित समायोजन शामिल हैं. इसके अलावा, इमामी अगले साढ़े चार साल में दो चरणों में इंकनट डिजिटल की की शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करेगी. इस हिस्सेदारी का मूल्य भविष्य के प्रदर्शन के आधार पर तय किये गये मानकों के अनुसार निर्धारित किया जायेगा.

सिलेंडर के व्यावसायीकरण में सरकार करेगी मदद

टाइप-4 कंपोजिट सिलेंडर : हल्के, सुरक्षित और स्वदेशी

वजन 75 प्रतिशत तक कम, कार्बन उत्सर्जन में कमी

नई दिल्ली, 07 मई. केंद्र सरकार के डिवज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने टाइप-4 सीएनजी सिलेंडरों के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली स्थित एनटीएफ एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ समझौता किया है.

यह कदम स्वच्छ ऊर्जा परिवहन को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है. इस परियोजना के तहत टाइप-4 कंपोजिट सीएनजी सिलेंडरों का उत्पादन किया जाएगा. इनमें अत्याधुनिक फिलामेंट वाइंडिंग, ब्लो मोल्डिंग और उच्च दबाव परीक्षण तकनीक का इस्तेमाल होगा. टाइप-4 सिलेंडर पारंपरिक स्टील सिलेंडरों की तुलना में 75 प्रतिशत हल्के होते हैं, जिससे वाहन दक्षता बढ़ती है और पर्यावरण पर प्रभाव कम होता है. इसके अलावा, ये सिलेंडर जंग-रोधी पॉलीमर लाइनर, अनुकूलित सीएफआरपी लेआउट और उन्नत मैकेनिकल लॉकिंग सिस्टम से तैयार किए जाएंगे, ताकि सुरक्षा और टिकाऊपन सुनिश्चित किया जा सके.

> टीडीबी के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि उन्नत टाइप-4 कंपोजिट सिलेंडरों का विकास और व्यावसायीकरण देश की स्वच्छ परिवहन अवसंरचना और स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. एनटीएफ एनर्जी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक नवीन जैन और निदेशक नमन जैन ने टीडीबी के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सहायता हल्के कंपोजिट सिलेंडरों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने में मदद करेगी.

एयरटेल ने उद्यमों के लिए पेश किया सिक्योर वर्कफोर्स

नई दिल्ली. निजी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने साइबर सुरक्षा के खिलाफ उद्यमों के लिए एकीकृत प्रणाली एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स पेश करने की घोषणा की है. कंपनी ने गुरुवार को एक रिपोर्ट बताया कि साल 2025 में साइबर सुरक्षा की 20 लाख से अधिक घटनाएं दर्ज की गई थीं जो दिखाती है कि यह चुनौती कितनी बड़ी है.

इस चुनौती का सामना करने के लिए एयरटेल की बिजनेस-टू-बिजनेस (बी-2-बी) इकाई एयरटेल बिजनेस ने एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स तैयार किया है. यह देश का पहला पूर्णत: प्रबंधित और एकीकृत जीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर (जेडटीए) सुरक्षा प्लेटफॉर्म है. यह उद्यमों के लिए आद्यांत, नियमों के अनुरूप सुरक्षा प्रणाली उपलब्ध कराता है.

कंपनी का दावा है कि एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स उद्यमों को कम लागत में आवश्यक सुरक्षा प्रदान करेगा. साथ ही, यह संगठनों को अपने सुरक्षा उपाय खुद बनाने और चलाने के परिचालन बोझ से भी मुक्त करेगा. यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों, नेटवर्क, एप्लिकेशन और डाटा से जुड़े एंडपॉइंट्स को सुरक्षित करेगा.

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से प्रमुख सूचकांक टूटे

मुंबई, 07 मई. घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव बना रहा और इस बीच दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 114 अंक (0.15 प्रतिशत) टूटकर 77,844.52 अंक पर रहा. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 4.30 अंक यानी 0.02 प्रतिशत नीचे 24,326.65 अंक पर बंद हुआ. दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त में खुलने का बाद आज दिन भर कभी लाल तो कभी हरे निशान में ऊपर-नीचे होते रहे. बीच कारोबार में सेंसेक्स ऊपर 78,384.70 अंक और नीचे 77,713.21 अंक तक गया. वृहत बाजार में अच्छी लिवाली रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.41 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.87 प्रतिशत मजबूत हुआ. आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और सार्वजनिक बैंकों से सूचकांक फिसल गये जबकि निजी बैंकों और धातु समूहों के सूचकांक ऊपर बंद हुए.

एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें जारी

नई दिल्ली, 7 मई. एलपीजी सिलेंडरों की नई कीमतें जारी कर दी गई हैं, जिनमें घरेलू, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल उपयोग के सिलेंडरों के रेट शामिल हैं. घरेलू रसोई गैस के लिए यह खबर उपयोगकर्ताओं के लिए राहत भरी है, क्योंकि दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू सिलेंडर 913 में उपलब्ध है. इसके अलावा 5 किलो का छोटू सिलेंडर ?339 में उपलब्ध है, जिसे लेने के लिए केवल आधार कार्ड जरूरी है, लोकल एड्रेस प्रूफ नहीं ।कमर्शियल उपयोग के लिए गैस की कीमतें काफी अधिक हैं.

आरबीआई ने कोटक को दी फाइनेंस में हिस्सेदारी

कोटक महिंद्रा ग्रुप अब बैंक में बड़ा निवेशक बन सकता है

मार्च तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 65 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, 7 मई. एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया है कि कोटक महिंद्रा बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक से बैंक में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल गई है.

कोटक महिंद्रा बैंक, उसकी सहायक कंपनियों और फंड मिलाकर 'कोटक महिंद्रा ग्रुप' अब बैंक की पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग अधिकार का 9.99 प्रतिशत तक होल्डिंग कर सकते हैं. मार्च तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, कोटक फ्लेक्सीकैप फंड के पास पहले से ही बैंक में 1.60 प्रतिशत हिस्सेदारी मौजूद थी. एयू बैंक के वित्तीय प्रदर्शन पर नजर डालें तो जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 832 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 65 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. नेट इंटरेस्ट इनकम 2,582 करोड़ रुपये रही, सालाना 23 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 10 प्रतिशत बढ़ी. नेट इंटरेस्ट मार्जिन 24 बेसिस प्वाइंट सुधारकर 5.96 प्रतिशत पर पहुंचा. इसी दौरान प्रोविजन में सालाना 58ब और तिमाही आधार पर 19 प्रतिशत की गिरावट हुई, जो 269 करोड़ रुपये रही.

समाचार विशेष

ममता की विदाई, वाम को नई उम्मीद

बंगाल की राजनीति में फिर से अपनी जमीन तलाश रहे वाम दल

कोलकाता. बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना. बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ सोमवार को एक और तस्वीर उभरकर सामने आई, वो थी माकपा कार्यकर्ताओं के जश्न की. यह जश्न सीधे जीत का नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन के बदलते संकेतों का था.

पार्टी कार्यालयों में भीड़, नारेबाजी और उत्साह ने इस बात का संकेत दिया कि वाम खेमे के लिए यह सिर्फ सीटों का खेल नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक लड़ाई में वापसी का क्षण है. दोपहर में भाजपा की जीत के संकेत से ही कोलकाता से लेकर जिलों तक माकपा के दफ्तरों में आज असामान्य हलचल देखने को मिली. जैसे-जैसे रुझान आने लगे, कार्यकर्ताओं का जमावड़ा बढ़ता गया. दिलचस्प बात यह कि माकपा को सिर्फ एक सीट मिली है.

मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में छिपी हैं उत्साह की जड़ें – दरअसल, इस उत्साह की जड़ें मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में छिपी हैं. पिछले एक दशक से बंगाल की राजनीति मुख्यत: तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सिमट गई थी. इस ध्रुवीकरण में वामपंथ लगभग हाशिये पर चला गया था. लेकिन इस बार के चुनावी नतीजे ने संकेत दिया है कि सत्ता की लड़ाई में भले ही माकपा सीधे मुकाबले में न हो, लेकिन तृणमूल कांग्रेस की संभावित कमजोरी को वाम खेमे अपने लिए अवसर के रूप में देख रहा है.

> **उत्साह के पीछे रणनीतिक सोच**
> विश्लेषकों का मानना है कि माकपा का यह उत्साह प्रतीकात्मक जरूर है, लेकिन इसके पीछे एक रणनीतिक सोच भी है . भाजपा की जीत और तृणमूल की हार, दोनों ही परिस्थितियां वामपंथ के लिए राजनीतिक जगह खोल सकती हैं . सत्ता परिवर्तन के बाद विपक्ष की नई भूमिका में वाम दल अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश करेंगे . अंतत : बंगाल की राजनीति में यह दृश्य एक दिलचस्प मोड़ को दर्शाता है-जहां तीसरा खिलाड़ी भी अपनी वापसी की पटकथा लिखने की कोशिश में जुटा है . बता दें कि टीएमसी सुप्रीमो ममता 2011 में माकपा के 34 वर्षों के लंबे शासन को उखाड़ फेंक बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थीं .

पंजाब में बंगाल दोहराने के सपने

चंडीगढ़. भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की जीत से पहले पंजाब में पत्ते बिछाने शुरू कर दिए थे. उसने आम आदमी पार्टी के छह राज्यसभा सांसदों को अपनी पार्टी में शामिल कराया. इनमें से चार सांसदों का कोई खास मतलब नहीं है लेकिन दो सांसद राघव चड्ढा और संदीप पाठक का मतलब है. संदीप पाठक ने आम आदमी पार्टी को पिछला पंजाब चुनाव लड़ाया था. पाठक और चड्ढा ने मिल कर उम्मीदवार तय किए थे और चुनाव की रणनीति बनाई थी. अब ये दोनों भाजपा के साथ हैं. इस बीच भाजपा पश्चिम बंगाल का चुनाव जीत गई है. लंबे समय से यह माना जा रहा था कि भाजपा के लिए बंगाल जीतना मुश्किल है क्योंकि बंगाल की भाषा और संस्कृति के साथ उसका तालमेल नहीं बैठता है.

लेकिन अब जबकि भाजपा जीत गई है तो उसके नेता पंजाब की तैयारी में लग गए हैं. कहा जा रहा है कि पंजाब में भाषा और संस्कृति का बैरियर भाजपा वैसे ही तोड़ देगी, जैसे बंगाल में तोड़ा है. हालांकि यह बहुत महत्वाकांक्षी योजना है लेकिन भाजपा के नेताओं का कहना है कि उसने वह कोड क्रैक कर लिया है, जिससे भाषा और संस्कृति की बाधा पार की जाती है.

केरल में भाजपा की बढ़त से सीपीआई घबराई

तिरुवनंतपुरम. केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा के तीन सीटें जीतने पर सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने चिंता जताई. उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की बढ़ती मौजूदगी को सभी धर्मनिरपेक्ष दलों को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि यह केरल की राजनीति के लिए खतरे की घंटी है.

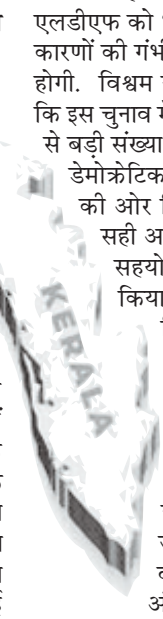

मीडिया से बातचीत में बिनॉय विश्वम ने कहा कि भाजपा सिर्फ तीन सीटें जीतकर ही नहीं रुकी, बल्कि छह अन्य विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर भी रही. उनके मुताबिक यह संकेत है कि दक्षिणपंथी राजनीति का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और इसका असर केवल केरल तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में दिखाई दे रहा है.

उन्होंने कहा कि वामपंथी और धर्मनिरपेक्ष ताकतों को इस स्थिति का गहराई से अध्ययन करना होगा ताकि इससे प्रभावी ढंग से निपटा जा सके.

साथ ही सीपीआई और एलडीएफ को भी अपनी हार के कारणों की गंभीर समीक्षा करनी होगी. विश्वम ने स्वीकार किया कि इस चुनाव में वाम एलडीएफ से बड़ी संख्या में वोट यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की ओर खिसके, जिसका सही आकलन किसी भी सहयोगी दल ने नहीं किया था. उन्होंने कहा कि आखिर ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच जिला और राज्य स्तर पर बैठकों में की जाएगी. जहां जरूरत होगी, वहां संगठनात्मक और राजनीतिक बदलाव भी किए जाएंगे.

कमियों का करेंगे अध्ययन

बिनॉय विश्वम ने कहा कि हम गंभीरता से यह अध्ययन करेंगे कि हमारी कमियां क्या रहीं और हम कहां चूके . उसके बाद जरूरी सुधार और बदलाव किए जाएंगे . उन्होंने बताया कि राज्य की सभी 140 विधानसभा सीटों के नतीजों का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा . सीपीआई नेता ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनावी हार के बावजूद हम राज्य की राजनीति से पीछे हटने वाले नहीं हैं . उन्होंने कहा कि जनता के बीच काम करते हुए ही वाम दल आगे बढ़ेंगे . बता दें कि केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार राज्य में तीन सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी मजबूत की .

विशेष — बीजेपी खेलेगी 'सरप्राइज कार्ड', सीएम फेस पर सस्पेंस!

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु नहीं तो कौन?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भाजपा ने रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की है. अब इसके बाद सबसे बड़ा पेच मुख्यमंत्री की सीट पर फंसता दिखाई दे रहा है. अक्सर ऐसा देखा गया है कि भाजपा कई मामलों में लीक से हटकर फैसले लेने के लिए जानी जाती है.

एक्सपर्ट्स की मानें तो बंगाल में भी यही हाल देखने को मिल सकता है. अक्सर देखा गया कि किसी राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद किसी बड़े नेता को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा जाता है. इसका उद्देश्य सीएम-डिप्टी सीएम समेत अन्य मामलों में फंस रहे पेच को सुलझाने का होता है. हाल में अमित शाह के बंगाल जाने की खबर सामने आ रही है. सियासी पंडितों की मानें तो शाह का बंगाल जाना किसी बड़ी एक्टिविटी का संकेत हो सकता है.

सीएम कैंडिडेट की लिस्ट में सुवेंदु अधिकारी का नाम सबसे ऊपर है. सियासी हलकों में भी अधिकारी को सीएम का प्रबल दावेदार बताया जा रहा है. इसी बीच सूत्रों का दावा है कि बंगाल में सीएम के चेहरे के लिए अन्य कैंडिडेट्स की भी स्क्रूटनिंग की जा रही है. अक्सर भाजपा बड़े फैसलों को अंतिम समय तक गुप्त रखती है. अलग-अलग राज्यों में कई बार ऐसा हुआ है कि सीएम के रेस में चल रहे नाम पर मुहर ना लगी हो और किसी और चेहरे को सीएम चुन लिया गया. जानते हैं हाल ही में ऐसा कब हुआ है.

प्रवेश वर्मा थे दिल्ली के सीएम फेस, चुनी गईं रेखा गुप्ता– दिल्ली में हुए सियासी फैसले ने अब पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नया सवाल खड़ा कर दिया है. आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, जबकि उनकी जीत को चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा था. इसके बजाय पार्टी ने अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरे रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंप दी. इस फैसले के बाद अब नजरें पश्चिम बंगाल पर टिक गई हैं, जहां बीजेपी की बड़ी जीत के बीच मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर सस्पेंस बना हुआ है. ठीक यही हुआ था जब राजस्थान में चुनाव हुए. वसुंधरा राजे को सीएम पद का दावेदार माना जा रहा था.

> **बंगाल में बीजेपी की बूम**
> पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 294 में से 200 से अधिक सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया है . ममता बनर्जी को हराने वाले नेता सुवेंदु अधिकारी इस चुनाव के सबसे बड़े चेहरे बनकर उभरे हैं . उन्होंने न सिर्फ मुख्यमंत्री को हराया, बल्कि पूरे चुनाव में बीजेपी के लिए फ्रंटलाइन लीडर की भूमिका निभाई . 2021 में भी नंदीग्राम से ममता बनर्जी को हराने के बाद शुवेंदु अधिकारी का कद तेजी से बढ़ा था, और 2026 में उनकी यह जीत उन्हें स्वाभाविक तौर पर मुख्यमंत्री पद का सबसे बड़ा दावेदार बनाती है .